आई.पी.एल. मैच के वीआईपी पास की कालाबाजारी करने वाले पकड़े

जयपुर पुलिस ने बोगस ग्राहक बनकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जा रहे आईपीएल मैचों के दौरान वीआईपी पास की कालाबाजारी करने वाले गिरोह का जयपुर पुलिस (दक्षिण) ने पर्दाफाश किया है।

अशोक नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने बोगस ग्राहक बनकर कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1.40 लाख रुपए कीमत के 13 कॉम्प्लीमेंट्री वीआईपी पास, एक कार और 6 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

- **आरोपियों के कब्जे से एक लाख 40 हजार रुपये कीमत के 13 कॉम्प्लीमेंट्री वीआईपी पास बरामद**

आरोपियों के कब्जे से जब्त आई.पी.एल. मैच के पास और मोबाइल फोन

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि आईपीएल मैचों के दौरान स्टेडियम के आसपास और सोशल मीडिया के माध्यम से टिकट व पास की कालाबाजारी की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस पर डीएसटी की विशेष टीम द्वारा अभियान चलाया जा रहा था।

शुक्रवार को मैच से पहले मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक वीआईपी पास की कालाबाजारी कर रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने स्टेडियम क्षेत्र में जाल बिछाया और बोगस ग्राहक बनकर आरोपियों से संपर्क किया। सौदा तय होते ही टीम ने घेराबंदी कर भावेश (22), अशोक कुमार (49), अर्जुन सैन (26), पवन कुमार (44), विपिन कुमार (27) और महीप माहेश्वरी (23) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी बनीपार्क, झोटवाड़ा, भीलवाड़ा, हरियाणा और माणक चौक क्षेत्र के निवासी हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी वीआईपी पास को वास्तविक कीमत से 5 से 10 गुना अधिक दाम पर बेच रहे थे। आरोपियों के खिलाफ अशोक नगर थाने में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है और पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है।

जयपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे केवल अधिकृत प्लेटफॉर्म और आधिकारिक पार्टनर के माध्यम से ही टिकट खरीदें। किसी भी अनधिकृत व्यक्ति या सोशल मीडिया विज्ञापन के झांसे में न आएं तथा कालाबाजारी की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

डॉ. राकेश हूजा की स्मृति में संगोष्ठी का आयोजन

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि स्वर्गीय डॉ. राकेश हूजा सम्मानित शिक्षाविद् और संस्थान निर्माता थे, जो राजस्थान के विकास के प्रति गहराई से समर्पित थे। उन्होंने 1994-95 में कमांड एरिया डेवलपमेंट विभाग में उनके अधीन कार्य करने तथा बाद में एचसीएमरीपा के डायरेक्टर जनरल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके साथ काम करने की स्मृतियां साझा की। दरअसल डॉ. राकेश हूजा की स्मृति में शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संगोष्ठी आयोजित की गई। जयपुर में यह संगोष्ठी का प्रथम संस्करण था, जो कि 'रिफॉर्मेटिव गवर्नेंस' विषय पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा कि डॉ. हूजा की विरासत उनके शैक्षिणक योगदानों के माध्यम से आज भी जीवित है। श्रीनिवास ने उन्हें अपने साथ कार्य करने वाले सबसे विद्वान आईएएस अधिकारियों में से एक बताते हुए शासन में तकनीक की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आधार, डीबीटी, यूपीआई और मनरेगा जैसी डिजिटल पहलों एवं कल्याणकारी योजनाओं ने सेवा वितरण को और अधिक सशक्त बनाया है। उन्होंने इस संगोष्ठी को 'विकसित राजस्थान' की दिशा में सुधारों पर विचार-विमर्श के लिए समयानुकूल बताया।

पेयजल समस्या से परेशान महिलाओं ने मटके फोड़े

सिविल लाइंस फाटक स्थित जलदाय कार्यालय पर प्रदर्शन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । निवर्तमान कांग्रेस पार्षद पं. करण शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को पेयजल समस्या को लेकर महिलाओं ने जलदाय विभाग के सिविल लाइंस फाटक स्थित कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया।

भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत से जूझ रही महिलाओं ने जलदाय विभाग के कार्यालय के बाहर खाली मटके फोड़कर विभाग की कार्यप्रणाली के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया।

- **निवर्तमान पार्षद पं. करण शर्मा ने कहा कि 3 दिन में समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन करेंगे**

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए पार्षद पंडित करण शर्मा ने कहा कि, ''पूरा शहर भीषण गर्मी की तपिश झेल रहा है और स्वेज फार्म की जनता बूंद-बूंद पानी को तरस रही है। जलदाय विभाग के अधिकारियों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ है। आज महिलाओं ने मटके फोड़कर यह संदेश दिया है कि यदि विभाग की कुंभकर्णी नींद नहीं खुली, तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और उग्र होगा।''

निवर्तमान कांग्रेस पार्षद पं. करण शर्मा के नेतृत्व में शुक्रवार को महिलाओं ने जलदाय विभाग के कार्यालय पर विरोध-प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि पानी न आने के कारण घर चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगले 3 दिनों में समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो वे जलदाय विभाग के कार्यालय का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगी। इस दौरान पंडित करण शर्मा के साथ भारी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता, युवा और मातृशक्ति मौजूद रही।

भूमि पर कब्जे को लेकर दर्ज एफआईआर रद्द करने से इंकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने मानसरोवर में निचली अदालत के स्टे शुदा भूमि पर कब्जा करने से जुड़े मामले में आरोपी प्रमोद शर्मा सहित अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की एकलपीठ ने यह आदेश प्रमोद शर्मा की ओर से दायर आपराधिक याचिका को खारिज करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि उसके खिलाफ गत 13 जुलाई को मानसरोवर थाने में भूमि पर कब्जा करने की एफआईआर दर्ज कराई गई है। जबकि एफआईआर में उस पर कोई स्पष्ट आरोप नहीं लगाया गया है।

- **मानसरोवर में स्टे शुदा जमीन पर कब्जा करने से जुड़े मामले में प्रमोद शर्मा को राहत नहीं मिली**

इसके अलावा वह भूमि से जुड़ी दोनों गृह निर्माण सहकारी समितियों के कार्यों से जुड़ा हुआ नहीं है। इसके अलावा एफआईआर में ही बताया गया है कि जमीन को लेकर बीते दो दशक से पथिक गृह निर्माण सहकारी समिति और नवजीवन गृह निर्माण सहकारी समिति के बीच सिविल विवाद चल रहा है। ऐसे में सिविल मामले को आपराधिक प्रकरण में बदलने के लिए यह एफआईआर दर्ज कराई गई है। एफआईआर के अनुसार सितंबर-अक्टूबर 2024 में कब्जा करने की बात कही है तो फिर 17 जुलाई, 2025 तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं कराई गई। ऐसे में उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द किया जाए।

जिसका विरोध करते हुए परिवादी घनश्याम शर्मा के वकील गिर्राज प्रसाद शर्मा ने कहा कि आरोपी अपने आप को मुख्यमंत्री का साला बताकर प्रभाव जमाता है। जब पुलिस ने जांच के दौरान गत 15 अप्रैल और 17 अप्रैल को नोटिस दिया तो उसने यह याचिका दायर कर दी। जबकि अभी मामले में अनुसंधान शुरू ही हुआ है। इसके अलावा महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने भी अनुसंधान लंबित होने का हवाला दिया। सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया। गौरतलब है कि पथिक गृह निर्माण सहकारी समिति के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने बीते साल 13 जुलाई को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा था कि दोनों सोसायटी के बीच विवाद के कारण निचली अदालत ने बदरवास में स्थित इस करीब ढाई बीघा जमीन पर स्टे दिया था। नवजीवन सोसायटी के कुछ पदाधिकारियों ने प्रमोद शर्मा सहित अन्य लोगों से मिलकर उस पर कब्जा कर लिया।

मनरेगा में स्वीकृत अधूरे कार्यों को जल्द पूर्ण कराएं : सत्यानी

जयपुर । ईजीएस आयुक्त पुष्पा सत्यानी ने सोमवार को महात्मा गांधी नरेगा योजना के सम्बंध में सभी जिलों के अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ शासन सचिवालय से वी.सी. के माध्यम से बैठक ली।

उन्होंने राज्य में महात्मा गांधी नरेगा योजना के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में सभी जिलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर योजना में पूर्व स्वीकृत समस्त अपूर्ण कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण करवाने, जिलों को महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत जारी लक्ष्यानुसार श्रमिक नियोजन करते हुए अधिक से अधिक जॉब कार्डधारी परिवारों को निर्धारित समयावधि में रोजगार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। आयुक्त ने महात्मा गांधी नरेगा योजना में राज्य में पंचायत पौधशालाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए पौधशालाओं में पौधों का चयन करें ताकि मानसून के दौरान राज्य की पौधशालाओं में विभिन्न प्रकार के पौधों की किस्म तैयार हो सके। वर्ष 2026-27 में हरियालो राजस्थान की री-जिओ टैग एवं साईट सलेक्शन, ई-केवाईसी, मनरेगा कार्यों की जियो टैगिंग की प्रगति की समीक्षा करते हुए वीबी-जी राम जी के तहत सुझावों पर चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिये। अतिरिक्त आयुक्त ईजीएस जुगल किशोर मीणा ने सीपीग्राम पोर्टल, मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव कार्यालय सहित मंत्री तथा राजस्थान सम्पर्क व एसीबी से विभाग को प्राप्त होने वाली शिकायतों का 7 दिवस में निस्तारण करने के निर्देश दिए । परियोजना निदेशक, ईजीएस रतन लाल अटल ने गर्मी को ध्यान में रखते हुए नरेगा कार्यस्थलों पर पानी, छाया का इंतजाम करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

अमृतम् जल सेवा मंदिर का उद्घाटन

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा मजदूर दिवस एवं बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर सीतापुरा स्थित रीको औद्योगिक क्षेत्र में अमृतम् (प्रभु कृपा) जल सेवा मंदिर का उद्घाटन किया गया। यह पहल भीषण गर्मी में श्रमिकों, राहगीरों एवं आमजन को शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। ट्रस्ट अध्यक्ष सेनि. आरएएस एन.एल.वर्मा ने कहा कि मजदूर दिवस पर श्रमिकों के सम्मान एवं बुद्ध पूर्णिमा के संदेश-करुणा, सेवा और मानवता-को ध्यान में रखते हुए यह जल सेवा मंदिर समाज के लिए एक सराहनीय पहल है। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा अमृतम् जल सेवा मंदिर तीन स्थानों पर लगाये जा चुके है, जिनमें चेतक मार्ग, इंडिया गेट एवं एनएवी सर्किल सीतापुरा है। आयोजन समिति ने बताया कि यह सेवा निरंतर संचालित रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। इस अवसर पर संरक्षक ओम प्रकाश पोद्दार, ओच्चित्य पोद्दार, दुर्गा वर्मा, कौशल सत्यार्थी, धर्मपाल, धर्मेश, दीपिका, लवीना, मनीष, रूपेंद्र, धर्मेन्द्र आलोरिया सहित अनेक लोग व श्रमिक भी उपस्थित रहे।

शुभम क्लब की वार्षिक बैठक संपन्न

जयपुर। महिलाओं ने शाम म्यूज़िक, मस्ती और डांस के साथ खास बनाई, जहां सभी मेंबर्स के बीच सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण देखने को मिला, कुछ ऐसा नजारा था शुभम क्लब की वार्षिक एजीएम मीटिंग 2026-27 का। जिसे इस वर्ष सेलिब्रेटिंग यू... वेयर एव्री मोमेंट रिफ्लेक्ट्स योर लाइट थीम पर रखा गया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद सभी सदस्य की विशिष्टता, आत्मविश्वास और सामूहिक विकास की भावना को उजागर किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बैठक रही, जिसमें 2025-26 के लिए क्लब की बोर्ड टीम को यथावत रखा गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष प्राची अग्रवाल एवं सचिव राशि गाडिया के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने क्लब की उपलब्धियों, गतिविधियों एवं आगामी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों को प्रेरित किया। इस दौरान क्लब की संस्थापक सदस्य, ब्रिंदा रूंगटा, माला खेतान एवं सरोज गोयल उपस्थित रही। वर्तमान कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पल्लवी पाटनी, संयुक्त सचिव पूजा धड्डा, उपासना बजाज एवं कोषाध्यक्ष स्नेहा काबरा व सविता पंसारी शामिल हैं। निदेशक मंडल में राधा माहेश्वरी, ज्योति जैन, मोनिका आर्या, वसुंधरा काबरा, राधिका अग्रवाल, शिखा बावरी, मीना काबरा, स्मिता पोद्दार शामिल हैं।

श्रमिकों के लिए विशेष शिविर लगाया

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने अन्तर्राष्ट्रीय श्रम दिवस पर राजकीय महात्मा गांधी सीनियर सैकण्डरी स्कूल, बडौदिया बस्ती, जयपुर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश पल्लवी शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में श्रमिकों के श्रम कार्ड आदि बनवाये गये तथा श्रम कार्डों के आधार पर राजस्थान सरकार द्वारा जारी विभिन्न जनकल्याणकारी स्कीमों के लाभ उन तक पहुंचाने के प्रयास किये गए। श्रमिकों के लिए मेडिकल कैम्प लगाकर उनके स्वास्थ्य की जांच की की गई। गुलाबबाड़ी उद्यान बनीपार्क में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को मजदूर डायरी की वितरण किया गया। इस कार्यक्रमों में कुल 485 श्रमिक व आमजन लाभान्वित हुए। कार्यक्रमों में श्रम विभाग से लेबर इंस्पेक्टर आकाश आर्य, लेबर यूनियन ओमप्रकाश, एक्शन एड एन.जी.ओ से कार्यकर्ता, गीतांजलि अस्पताल से डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय से देवेन्द्र कुमार, प्रकाश मीणा, अब्दुल हाफिज और कमल सिंह उपस्थित रहे।

वेबसाइट का नाम खुद तय कर सकेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेट पर अपनी अलग पहचान बनाने की सोच रखने वाले संगठनों के लिए अब बड़ा मौका सामने आया है। इंटरनेट कॉर्पोरेशन फॉर असाइंड नेम्स एंड नंबर्स (आईसीएएनएन) ने नए जेनेरिक टॉप-लेवल डोमेन (जीटीएलडी) के लिए आवेदन की विंडो खोल दी है। यानि अब कंपनियां, संस्थाएँ या शहर अपने नाम से डॉट के बाद आने वाला हिस्सा खुद तय कर सकते हैं, जैसे (डॉट ब्रांड), (डॉट सिटी) या (डॉट इंडस्ट्री)। यह मौका करीब एक दशक बाद मिला है। यह जानकारी आईसीएएनएन के प्रेसिडेंट और सीईओ कर्टिस लिंडक्विस्ट ने दी है।

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स की पालना से साफ होंगे शहर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026 की प्रभावी क्रियान्विति तथा नगरीय निकायों में स्वच्छता व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें सभी नगरीय निकायों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। बैठक में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक विभाग प्रतीक जुइकर, मुख्य अभियंता, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अरुण व्यास सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे ।

शासन सचिव रवि जैन ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026 के प्रमुख प्रावधानों की विस्तार से जानकारी देते हुए सभी नगरीय निकायों को इनकी शत-प्रतिशत एवं प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बल्क वेस्ट जनरेटर्स के लिए निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा रंग आधारित कचरा पात्र (कलर कोडिंग) की व्यवस्था को जमीनी स्तर पर पूर्ण रूप से लागू किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्त्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण सुनिश्चित किया जाए तथा इसके उल्लंघन की स्थिति में यूजर चार्ज एवं दंडात्मक प्रावधानों को अधिसूचित कर प्रभावी रूप से लागू किया जाए। साथ ही, सूचना, शिक्षा एवं संचार गतिविधियों के माध्यम से आमजन में नए नियमों के प्रति व्यापक जागरूकता विकसित करने पर विशेष बल दिया गया। इसी के साथ ही जैन ने निर्देश दिए कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2026 के अंतर्गत की जा रही सभी कार्यवाहियों की फोटो सहित विस्तृत अनुपालना रिपोर्ट निर्धारित समयसीमा में विभाग को अनिवार्य रूप से प्रेषित की जाए, ताकि उच्चतम न्यायालय के समक्ष राज्य की प्रगति का तथ्यात्मक एवं प्रभावी प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संगठनों, महिला समूहों, युवा मंडलों एवं विभिन्न सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को सक्रिय रूप से सफाई से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। जैन ने कहा कि स्वच्छता अभियान की वास्तविक सफलता तभी संभव है, जब यह जनसहभागिता का व्यापक आंदोलन बने। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक निकाय सिटीजन फीडबैक को जनआंदोलन का स्वरूप देते हुए अधिकतम नागरिक सहभागिता सुनिश्चित करे।

इलेक्ट्रोपैथी राजस्थान के स्वास्थ्य क्षेत्र को देगी नई दिशा : वासुदेव देवनानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। गांधी नगर स्थित राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धित बोर्ड के नवनिर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन एवं स्थापना दिवस समारोह आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष प्रो. वासुदेव देवनानी ने कहा कि इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धित राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा आधारित चिकित्सा पद्धितयां आज पुन: विश्व स्तर पर सम्मान प्राप्त कर रही हैं और भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इलेक्ट्रोपैथी के विकास के लिए मानकीकरण, शिक्षण व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और अनुसंधान पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने पर यह पद्धित व्यापक स्वीकार्यता हासिल कर सकती है।

समारोह में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ, राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति प्रो. त्रिभुवन शर्मा, बोर्ड रजिस्ट्रार डॉ. आनंद कुमार शर्मा तथा इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा परिषद के अध्यक्ष ई. डॉ. हेमंत सेठिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक और चिकित्सक उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. हेमंत सेठिया ने इलेक्ट्रोपैथी की मान्यता के लिए वर्षों से चले आ रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1998 से शुरू हुआ अभियान आज संस्थागत रूप में स्थापित हो सका है। उन्होंने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री दिगंबर सिंह, राजेंद्र राठौड़ और कालीचरण सर्राफ के योगदान का भी जिक्र किया।

राजस्थान विधानसभाध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनानी ने गांधी नगर स्थित राजस्थान इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा पद्धित बोर्ड के नवनिर्मित कार्यालय भवन का उद्घाटन किया।

- **प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने बताया कि ''इलेक्ट्रोपैथी का संबंध इलेक्ट्रिसिटी से नहीं, बल्कि शरीर के आयोनिक संतुलन से है। यह पद्धित 114 औषधीय पौधों के अर्क पर आधारित है और प्राकृतिक चिकित्सा सिद्धांतों पर कार्य करती है। ''**

प्रो. त्रिभुवन शर्मा ने बताया कि इलेक्ट्रोपैथी का संबंध इलेक्ट्रिसिटी से नहीं, बल्कि शरीर के आयोनिक संतुलन से है। यह पद्धित 114 औषधीय पौधों के अर्क पर आधारित है और प्राकृतिक चिकित्सा सिद्धांतों पर कार्य करती है। उन्होंने इसके वैज्ञानिक अध्ययन और अनुसंधान की आवश्यकता पर बल दिया।

बोर्ड रजिस्ट्रार डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नए कार्यालय के शुरू होने से पंजीकरण, प्रशासनिक और शैक्षिणक गतिविधियां सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकेंगी। उन्होंने बताया कि परिसर के विकास में जनसहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्यक्रम के दौरान बोर्ड के न्यूजलेटर द इलेक्ट्रोपैथी संवाद के तृतीय संस्करण और आरोग्य मेला पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री हवन से हुई और संचालन श्वेता जैन ने किया।

विधायक-इंजीनियर मारपीट मामले की हो उच्चस्तरीय जांच, निर्दोष के साथ न हो अन्याय : टीकाराम जूली

जयपुर (कासं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की वर्तमान कानून-व्यवस्था और बढ़ती महंगाई को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली ने कहा कि राजस्थान में आज सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है, बल्कि यहां एक तमाशा चल रहा है।

जूली ने भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी और इंजीनियर्स के बीच हुए मारपीट वाले प्रकरण पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रदेश में अजीबोगरीब स्थिति बनी हुई है। एक दिन पहले खबर आती है कि इंजीनियर्स ने विधायक को पीटा, और आज इंजीनियर्स आरोप लगा रहे हैं कि विधायक ने उनके साथ मारपीट की। यह विरोधाभास दर्शाता है कि प्रदेश में सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। नेता प्रतिपक्ष ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की एक उच्चाधिकार प्राप्त कमेटी द्वारा निष्पक्ष तथ्यात्मक जांच करवाई जाए।

- **नेता प्रतिपक्ष ने कहा ''राहुल गाँधी का एग्जिट पोल 100 फ़ीसदी सही रहा, चुनाव खत्म होते ही कमर्शियल सिलेंडर के दाम बेतहाशा बढ़ाकर गरीब के पेट पर मोदी सरकार ने लात मारी''**

उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आवश्यकता हो तो एक कमेटी बनाकर इसकी पड़ताल हो, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। जूली ने स्पष्ट किया कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए और सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए।

जूली ने कटाक्ष किया कि प्रदेश के ऐसे हालातों में मुख्यमंत्रीजी प्रेजेंट होते हुए भी एब्सेंट नजर आ रहे हैं। प्रदेश में किसी को महसूस ही नहीं होता कि कोई सरकार चल रही है। प्रशासन पर से नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो चुका है और जनता खुद को लावारिस महसूस कर रही है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि, कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में 993 की बेतहाशा वृद्धि करके सरकार ने साबित कर दिया है कि उसे गरीबों के हितों से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने चुनाव के समय ही आगाह किया था कि चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आएगी और आज उनका वह एग्जिट पोल 100 प्रतिशत सही साबित हो रहा है। भाजपा ने केवल चुनाव खत्म होने का इंतजार किया और मौका मिलते ही जनता की जेब पर डाका डाल दिया।

जूली ने महंगाई के आंकड़ों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत अब 3,099 तक पहुंच गई है। ऐसे समय में जब छोटा व्यवसायी, ठेला चलाने वाले और अन्य मेहनतकश लोग पहले से ही आसमान छूती महंगाई से जूझ रहे हैं, यह वृद्धि उनके पेट पर लात मारने जैसा है।

उन्होंने सवाल किया कि अगर एक गरीब आदमी इतना महंगा सिलेंडर खरीदेगा, तो वह दिनभर की मेहनत के बाद क्या कमाएगा और अपने परिवार के लिए क्या बचा पाएगा? यह कदम साफ तौर पर गरीब विरोधी है और स्पष्ट करता है कि भाजपा की नीतियां केवल पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाने के लिए हैं, गरीबों को कुचलने के लिए नहीं।

जेकेके में सजेगी पुराने गीतों की महफिल

जयपुर । संगीत ग्रुप अरुणाज़ गीत गाता चल की ओर से 2 मई को ''गा मेरे मन गा-सीजन 6'' कार्यक्रम का आयोजन जवाहर कला केन्द्र में किया जाएगा। इन्द्रधनुष शीर्षक से होने वाला यह कार्यक्रम मशहूर संगीतकार ओ.पी. नैय्यर, लक्ष्मीकान्त-प्यारेलाल और आर.डी.बर्मन द्वारा संगीतबद्ध गीतों को समर्पित रहेगा।

कार्यक्रम में उनके सुपर हिट संगीत से सजे एकल और युगल गीतों की महफ़िल सजाई जाएगी। श्रोता बॉलीवुड गीतों के स्वर्णकाल कहे जाने वाले दौर के लगभग 27 मीठे-मधुर गीतों का लुत्फ़ उठा सकेंगे। कार्यक्रम में 1950 से 1990 के दशक के चुनिंदा गीत प्रस्तुत किए जाएंगे। यह कार्यक्रम शाम साढ़े पाँच बजे जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में होगा। कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।